डॉ. मनसुख मांडविया

श्रम एवं रोज़गार और
युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री,
भारत सरकार

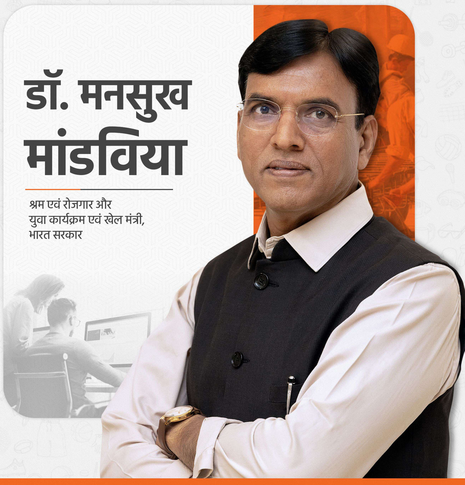

डॉ. मनसुख मांडविया को राजनीति विज्ञान के क्षेत्र में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (PhD) की उपाधि प्राप्त हुई है।

डॉ. मांडविया ने समाज को जागरूक करने, समुदायों को संगठित करने तथा सामाजिक मुद्दों को जन-जन तक पहुँचाने के लिए व्यापक स्तर पर पदयात्राएँ आयोजित की हैं।

2004 में, उन्होंने **123 किमी लंबी "कन्या केलवाणी ज्योत पदयात्रा"** का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य बालिका शिक्षा को बढ़ावा देना और उसके प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना था।

2006 में 127 किमी की पदयात्रा आयोजित की, जिसका उद्देश्य **"बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, व्यसन हटाओ"** के संदेश के माध्यम से सैमाजिक समानता, महिला सशक्तिकरण और नशा-मुक्ति के प्रति जागरूकता फैलाना था।

2019 में, उन्होंने **महात्मा गांधी की 150वीं जयंती** के अवसर पर **150 किलोमीटर** लंबी पदयात्रा की।

वर्ष 2025 में, **सरदार@150** के उपलक्ष्य में, उन्होंने करमसद से स्टैच्यू ऑफ यूनिटी तक 10 दिवसीय राष्ट्रीय पदयात्रा का संचालन किया, जिसमें देशभर के **717 जिलों से 3.5 लाख से अधिक युवाओं** की सहभागिता रही।

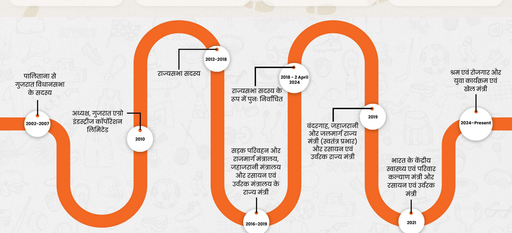

पुरस्कार और मान्यता

UNICEF द्वारा डॉ मनसुख मांडविया को **महिलाओं के मासिक धर्म एवं स्वच्छता** के क्षेत्र में सैनिटरी पैड के राष्ट्रव्यापी वितरण के लिए विशेष योजना शुरू करने हेतु सम्मानित किया गया।

डॉ मनसुख मांडविया को **'इकोनॉमिक टाइम्स बिजनेस रिफॉर्मर ऑफ द ईयर अवार्ड 2022'** से भी सम्मानित किया गया।

डॉ. मनसुख मांडविया लगातार **चार वर्षों (2022, 2023, 2024 और 2025)** से द इंडियन एक्सप्रेस की प्रतिष्ठित **100 सबसे प्रभावशाली भारतीयों** की सूची में शामिल हो रहे हैं।

केंद्रीय श्रम एवं रोज़गार मंत्री के रूप में डॉ. मांडविया ने श्रमिक कल्याण को मज़बूत करने, प्रक्रियाओं को सरल बनाने और सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण पहलें कीं। उनके नेतृत्व में सामाजिक सुरक्षा कवरेज लगभग **94 करोड़ लोगों** तक पहुँचा, जिसका उल्लेख **International Labour Organisation (ILO)** ने भी किया है। उन्होंने चार श्रम संहिताओं **(Labour Codes)** की अधिसूचना और उनके प्रभावी क्रियान्वयन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने **EPFO (कर्मचारी भविष्य निधि संगठन)** को और मज़बूत करने की दिशा में कई कदम उठाए हैं। जैसे **Centralized Pension Payment System (CPPS)** लागू करना, auto-claim settlement की सीमा बढ़ाना, PF ट्रांसफर और प्रोफाइल अपडेट जैसी प्रक्रियाओं को लाभार्थियों के लिए पहले से अधिक आसान बनाना।

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री के रूप में उनका योगदान महत्वपूर्ण रहा है। उनके नेतृत्व में **National Sports Governance Act 2025, National Anti-Doping (Amendment) Act 2025 और Khelo Bharat Niti 2025** जैसे कदम उठाए गए, जिनसे खेलों में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ी है, खिलाड़ियों के हित में नई योजनाएँ शुरू हुई हैं और grassroot स्तर पर प्रतिभाओं को बढ़ावा मिला है। इन प्रयासों का उद्देश्य 2047 तक भारत को एक प्रमुख वैश्विक खेल राष्ट्र बनाना है।

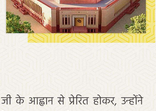

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान से प्रेरित होकर, उन्होंने **National Youth Festival** को एक नए रूप में **Viksit Bharat Young Leaders Dialogue (VBYLD) बनाया।** इस कार्यक्रम से लाखों युवाओं को जोड़ा गया और चुनिंदा युवाओं को सीधे प्रधानमंत्री जी के सामने अपने विचार रखने का अवसर मिला।

जमीनी स्तर पर युवाओं से जुड़ने के उद्देश्य से डॉ. मांडविया ने कई पदयात्राएँ भी आयोजित कीं और युवाओं को विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। इनमें संविधान दिवस, छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती तथा डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती जैसे अवसरों पर आयोजित **राष्ट्रव्यापी पदयात्राएँ** शामिल हैं।

युवा मामलों के क्षेत्र में उनका विशेष ध्यान रोजगारयोग्यता, कौशल विकास, बालिका शिक्षा तथा नशामुक्ति जागरूकता पर रहा है। उन्होंने **MY Bharat Platform** को एक सशक्त और गतिशील मंच के रूप में विकसित किया है, जिस पर अब तक **2 करोड़ से अधिक युवा पंजीकृत** हो चुके हैं।

ग्रीन ग्रोथ के प्रबल समर्थक एवं **"Green MP"** के रूप में प्रसिद्ध श्री मनसुख मांडविया जी स्वयं भी एक साइक्लिंग प्रेमी हैं और उन्होंने देशभर में **"Sundays on Cycle"** आंदोलन की शुरुआत की, जिससे फिटनेस और पर्यावरण दोनों को बढ़ावा मिल रहा है।

डॉ. मनसुख मांडविया को **10,000 से अधिक जन औषधि केंद्र** (सामान्य और सस्ती दवा स्टोर) स्थापित करने तथा **बहुत कम समय में देश में दो अरब से अधिक वैक्सीन डोज़** लगाने एवं टीकाकरण अभियान को आगे बढ़ाने का श्रेय जाता है।

वर्ष 2015 में डॉ मनसुख मांडविया को **संयुक्त राष्ट्र में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया, इस दौरान उन्होंने सतत विकास के संदर्भ में 2030 एजेंडा हेतु बात की**।

डॉ मनसुख मांडविया **60 से अधिक देशों** में अनेक द्विपक्षीय वार्ता और डेलीगेशन का हिस्सा रह चुके हैं।

डॉ. मांडविया ने विश्व आर्थिक मंच **(World Economic Forum)**, दावोस, स्विट्ज़रलैंड में 2020, 2022 और 2023 में भारत का प्रतिनिधित्व किया।